संतरा या नारंगी

GVT कृषीकुल
अधिक जानकारी के लिए संपर्क:
82 7373 3030/82 7373 3535

फल का नाम: संतरा या नारंगी
वैज्ञानिक नाम: सिट्रस रेटिकुलाटा
कुल: रूटेसी
दूरी/अंतर: 12x12, 15x15, 16x16, 18x18, 20x20 पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी (6 फीट नवीनतम)
किस्मे: नागपुर मेंडरीन, किन्नो

संतरा के गुण: संतरा दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय फलों में से एक है। यह साइट्रस प्रजातियों के अंतर्गत लगभग 50% क्षेत्र को कवर करता है। यह विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है और इसमें पौधे के यौगिक भी होते हैं जिनमें सूजन-रोधी एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, और यह कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। संतरा पोटेशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत है जो हृदय और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है।
उपयुक्त मृदा: नींबू की खेती के लिए अच्छी जल निकास वाली हल्की दोमट, मध्यम से काली मिट्टी जिसका पीएच 6.5 -7.5 हो उपयुक्त है। कैलकेरियस मिट्टी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील, यदि CaCo3 (चूना पत्थर) 5-7% से अधिक और EC 0.1% से अधिक है, तो इस प्रकार की मिट्टी संतरा के लीये संवेदन शील होती है और पोंधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
जलवायु: नींबू की खेती के लिए उपोष्णकटिबंधीय जलवायु उपयुक्त है। कम तापमान और अधिक वर्षा पौधों के लिए हानिकारक है और गर्मियों के दौरान गर्म हवाएं फूलों और फलों के झड़ने की समस्या पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। नींबू की खेती के लिए उपयुक्त तापमान 25-30 डिग्री सेल्सियस और वार्षिक वर्षा 75-180 सेमी, पौधे के विकास के लिए अनुकूल है।
उत्पादन: पौधारोपण के 4-5 वर्ष बाद उत्पादन प्रारम्भ हो जाता है तथा औसत उत्पादन 20 कि.ग्रा./पौधा होता है। 5 वें वर्ष में प्रति पेड़ 50 फल और 8 वें वर्ष से स्थिरीकरण के बाद प्रति पेड़ लगभग 700-800 फल का औसत उत्पादन होता है।
प्रमुख कीट: पत्ती लघु, पत्ती खाने वाली इल्ली, लाल मकड़ी, तना छेदक, एफिड्स, फल चूसने वाला कीट, नींबू तितली, सिट्रस सिला।
प्रमुख रोग: गमोसिस, साइट्रस डिकलाईन या डाईबैक, जड़ सड़न ।

संतरा या नारंगी

नागपुर संत्रा

अधिक जानकारी के लिए संपर्क:
82 7373 3030/82 7373 3535

किस्म: नागपुर संत्रा
रोपण दिनांक: 15/04/2023
दूरी/अंतर: 10X15 (पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी)
रोपण क्षेत्र: 12 R
पौधों की संख्या: 90

नागपुर मैंडरिन की विशेषता: नागपुर मैंडरिन दुनिया में उगाई जाने वाली बेहतरीन मैंडरिन में से एक है, यह किस्म भारतीय बाजार में भी प्रमुख स्थान रखती है। इसे पोंकण के नाम से भी जाना जाता है। पेड़ आकार में बड़े, मजबूत और सघन पत्ते वाले काँटे रहित होते हैं। फल का आकार मध्यम, कैडमियम रंग, चिकनी सतह और चमकदार, छिलका पतला, मुलायम और 10-12 खंडों वाला थोड़ा चिपका हुआ होता है। अधिक उपज देने वाली किस्म, गूदे का रंग नारंगी, मुलायम पिघलने वाला रसदार, स्वाद हल्का, सुखद और सुगंधित होता है।

उत्पादन: पौधारोपण के 5 वर्ष बाद उत्पादन प्रारम्भ हो जाता है और 8 वें वर्ष से स्थिरीकरण के बाद प्रति पेड़ लगभग 700-800 फल का औसत उत्पादन होता है।

संतरा या नारंगी

किन्नो

अधिक जानकारी के लिए संपर्क:
82 7373 3030/82 7373 3535

किस्म :- किन्नो
वैज्ञानिक नाम :- किंग (साइट्रस नोबिलिस) x विलो (साइट्रस डेलिसिओसा)
रोपण दिनांक:- 29/07/2023
दूरी/अंतर : - 10X15 (पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी)
रोपण क्षेत्र:- 10 R

किन्नो की विशेषता: अधिक उपज देने वाली किस्म, सुखद स्वाद और अच्छा रंग, मध्यम, चपटा फल आकार और उच्च रस प्रतिशत, कम बीज, ठंड प्रतिरोधी किस्म। फल का रंग किंग किस्म जैसा, गहरा पीला नारंगी, सतह चिकनी और चमकदार, बहुत उथले गुठलीदार, छिलका पतला, सख्त और चमड़े जैसा, खंड 9-10 आसानी से अलग होने योग्य, बीज 12-24। यह देर से पकने वाली किस्म है.

उत्पादन: पौधारोपण के 4-5 वर्ष बाद उत्पादन प्रारम्भ हो जाता है, इसकी पूर्ण परिपक्वता पर कटाई जनवरी एवं फरवरी माह में की जानी चाहिए। औसतन 70-80 किलोग्राम प्रति पेड़ की उपज के साथ 400-450 फल तोड़े जा सकते हैं।